

## INVESTMENT AVENUES®

## इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज

भोपाल, शनिवार 28 जून से 04 जुलाई 2025

भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

वर्ष- 12

अंक-47

पृष्ठ- 8

मूल्य- रु. 5 /-

## HAL ने रचा इतिहास: भारत की तीसरी रॉकेट निर्माता कंपनी बनी, ₹511 करोड़ में मिला स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल का कॉन्ट्रैक्ट

**भोपाल:** हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने भारतीय अंतरिक्ष उद्योग में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने ₹511 करोड़ की बोली लगाकर स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (SSLV) निर्माण का कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है, जिसके साथ ही HAL भारत की तीसरी रॉकेट बनाने वाली कंपनी बन गई है। इस उपलब्धि ने न केवल HAL की तकनीकी क्षमता को उजागर किया है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के सहयोग को भी मजबूत किया है।

### कॉन्ट्रैक्ट का विवरण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए SSLV के निर्माण हेतु निविदा जारी की थी। HAL ने इस निविदा में ₹511 करोड़ की बोली लगाकर अन्य प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ दिया। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत HAL अगले तीन वर्षों में SSLV के डिजाइन, विकास, और निर्माण की जिम्मेदारी निभाएगी। यह व्हीकल 500 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को लॉन्च करने में सक्षम होगा, जो विशेष रूप से कम लागत वाली अंतरिक्ष मिशनों के लिए उपयोगी होगा।

### HAL की नई भूमिका

HAL, जो अब तक लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, और अन्य रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए जानी जाती थी, अब अंतरिक्ष क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रही है। कंपनी ने पहले भी ISRO के लिए PSLV और GSLV जैसे रॉकेटों के कुछ हिस्सों का निर्माण किया था, लेकिन यह पहली बार है जब HAL को पूर्ण रूप से रॉकेट निर्माण का जिम्मा सौंपा गया है। HAL के चेयरमैन सीबी अनंतकृष्णन ने कहा, "यह कॉन्ट्रैक्ट HAL के लिए एक मील का पत्थर है। हमारी तकनीकी विशेषज्ञता और अनुभव हमें इस चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम बनाएंगे।"

### भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में मील का पत्थर

HAL के इस कदम से भारत अब ISRO और न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के बाद तीसरी संस्था के रूप में रॉकेट निर्माण में सक्षम हो गया है। SSLV का निर्माण भारत के बढ़ते स्टार्टअप और निजी अंतरिक्ष कंपनियों के लिए भी एक वरदान साबित होगा, क्योंकि यह छोटे उपग्रहों को किफायती दरों पर लॉन्च करने की सुविधा प्रदान करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत को वैश्विक स्मॉल

### भविष्य की योजनाएं

HAL ने इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत पहले SSLV के प्रोटोटाइप को 2027 तक तैयार करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी बेंगलुरु और नासिक में अपने मौजूदा सुविधाओं का उपयोग करेगी और इस परियोजना के लिए एक समर्पित टीम का गठन कर रही है। इसके अलावा, HAL अन्य अंतरिक्ष परियोजनाओं में भी अपनी भागीदारी बढ़ाने की योजना बना रही है, जिसमें अगली पीढ़ी के रॉकेट और उपग्रह शामिल हैं।

### निष्कर्ष

HAL का यह कदम भारत के आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी बल देता है। SSLV परियोजना न केवल तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगी, बल्कि रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास में भी योगदान देगी। HAL की इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि भारतीय कंपनियां वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ने में सक्षम हैं।

Source: Business Standard

## TCS Unveils Massive Realty Growth Plan Across India with Over Rs 4,500 Crore

**Bhopal:** Tata Consultancy Services (TCS), India's leading IT services company, is set to transform its physical footprint with a massive realty expansion plan, investing over Rs 4,500 crore across the country. This ambitious initiative aims to bolster the company's infrastructure by developing new office spaces and enhancing existing facilities in key cities, aligning with its robust growth in headcount and strong financial performance in the fiscal year 2024-25.

### Strategic Expansion Across Key Cities

The investment will focus on expanding TCS's presence in major urban hubs, including Bengaluru, Hyderabad, and Mumbai, among others. The company plans to acquire land, construct new office campuses, and lease additional spaces to accommodate its growing workforce. This move reflects TCS's strategy to meet the increasing demand for its services

while ensuring a flexible and scalable infrastructure.

### Driving Growth and Employment

This expansion is a testament to TCS's optimistic outlook, supported by its impressive financial results. The company aims to create thousands of new jobs, further solidifying its role as a key employer in India's IT sector. The new facilities will house advanced technology centres, foster innovation and supporting the company's global delivery capabilities.

### Market Impact and Future Prospects

The realty expansion signals a positive trend for India's commercial real estate market, with TCS's investment likely to spur development in the regions it targets. Analysts view this as a confidence booster for the sector, especially as corporate giants like TCS continue to invest heavily despite global economic uncertainties.



The project is expected to be rolled out over the next few years, with phased developments to optimize resource allocation.

### Conclusion

TCS's over Rs 4,500 crore realty expansion marks a significant milestone in its journey to strengthen its operational base across India. As the company continues to lead the IT industry, this investment underscores its commitment to growth, innovation, and creating opportunities for the nation's workforce. Stakeholders will be keenly watching as this plan unfolds, shaping the future of India's tech landscape.

Source: Mint



## फोनपे का मेगा IPO: अगस्त में ड्राफ्ट पेपर्स दाखिल, ₹13,014 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

**भोपाल:** भारत के अग्रणी डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म फोनपे ने अपनी बहुप्रतीक्षित प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (IPO) के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। कंपनी अगस्त में सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल करने की योजना बना रही है। इस IPO के जरिए फोनपे ₹13,014 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रख रही है, जिससे कंपनी का वैल्यूएशन ₹1.30 लाख करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

### IPO की रणनीति और लक्ष्य

वॉलमार्ट समर्थित फोनपे ने हाल के वर्षों में भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में अपनी मजबूत स्थिति बनाई है। कंपनी का यह IPO भारतीय फिनटेक उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, फोनपे ने इस मेगा इश्यू के लिए प्रमुख बैंकों को अंतिम रूप दे दिया है और अगस्त की शुरुआत में औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

यह IPO न केवल फोनपे के लिए, बल्कि पूरे फिनटेक सेक्टर के लिए सकारात्मक संकेत दे रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम निवेशकों का ध्यान आकर्षित करेगा और भारतीय स्टॉक मार्केट में फिनटेक कंपनियों की स्थिति को और मजबूत करेगा।

### वैल्यूएशन और निवेशकों का भरोसा

फोनपे का लक्ष्य इस IPO के माध्यम से \$1.5 बिलियन (लगभग

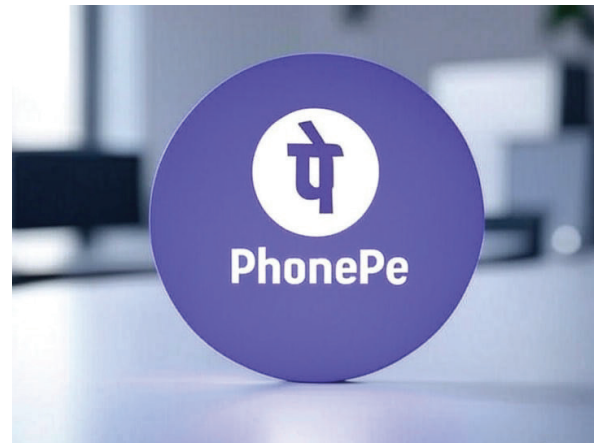
₹13,014 करोड़) जुटाना है, जिससे कंपनी का वैल्यूएशन \$10-15 बिलियन (लगभग ₹83,000 करोड़ से ₹1.30 लाख करोड़) के बीच होने की संभावना है। यह वैल्यूएशन फोनपे की मजबूत बाजार स्थिति और इसके डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी ने हाल के वर्षों में अपने यूजर बेस और ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। UPI-आधारित लेनदेन में फोनपे की हिस्सेदारी इसे भारत में डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है। इसके अलावा, कंपनी ने बीमा, म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय सेवाओं में भी विस्तार किया है, जिससे इसकी आय के स्रोत विविध हुए हैं।

### बाजार की संभावनाएं

यह IPO भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर हो सकता है। फोनपे की मजबूत ब्रांड वैल्यू और वॉलमार्ट जैसे दिग्गज का समर्थन इसे निवेशकों के बीच भरोसेमंद बनाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि फोनपे का यह कदम भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था की बढ़ती स्वीकार्यता और फिनटेक कंपनियों की संभावनाओं को रेखांकित करता है।

### निष्कर्ष

फोनपे का आगामी IPO न केवल कंपनी के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि यह भारतीय फिनटेक उद्योग के लिए भी एक नया



अध्याय शुरू करेगा। अगस्त में ड्राफ्ट पेपर्स दाखिल होने के बाद इस IPO की प्रक्रिया और तेज होने की उम्मीद है। निवेशक और बाजार विश्लेषक इस डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह भारत के डिजिटल भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है।

नोट: यह जानकारी X पर उपलब्ध पोस्ट और समाचारों पर आधारित है। अधिक जानकारी के लिए सेबी के पास दाखिल होने वाले आधिकारिक दस्तावेजों का इंतजार करें।

NFO opens Tomorrow

mahindra Manulife MUTUAL FUND

Invest In  
**Mahindra Manulife Banking & Financial Services Fund**  
(An open-ended equity scheme investing in banking & financial services sector)

**NEW FUND OFFER**  
Opens On: June 27, 2025  
Closes On: July 11, 2025  
Scheme reopens for continuous sale and repurchase from: July 21, 2025

**This product is suitable for investors who are seeking\***

- Long term capital appreciation;
- Investment predominantly in a portfolio of equity and equity related securities of companies engaged in banking & financial services activities.

\*Investors should consult their financial advisers if in doubt about whether the product is suitable for them.

**Scheme Riskometer\*\***

The risk of the scheme is Very High

\*\*The product labelling / risk level assigned for the Scheme during the New Fund Offer is based on internal assessment of the Scheme's characteristics or model portfolio and the same may vary post New Fund Offer when the actual investments are made.

The information contained on these pages are not for distribution and do not constitute an offer to buy or sell or solicitation of an offer to buy or sell any schemes/Units of Mahindra Manulife Mutual Fund / securities in the United States of America ('US') and/or Canada or for the benefit of US Persons (being persons falling within the definition of the term "US Person" under the US Securities Act of 1933 or as defined by the U.S. Commodity Futures Trading Commission, as amended) or residents of Canada as defined under applicable laws of Canada

**Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.**

**Connect to know more**

आपकी मेहनत की कमाई

**दोनों को ही चाहिए वो जो उन्हें सही दिशा दिखाए**

**हम आपकी निवेश से जुड़ी यात्रा की योजना बनाने में मदद कर सकते हैं!**

**Vision Invest Tech Private Limited | (+91)7389912025**

ARN-10613 | visionadvisorymkt@gmail.com

POWERED BY

**wealthy**

**Sh. Pradeep Karambelkar**  
Founder & Editor

**Dr. Irshad Ahmad Khan**  
Sub-Editor

**Sh. Pushpendra Singh**  
Marketing Officer



## Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan's Plan to Revolutionize Indian Farming

**Bhopal:** Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan is driving a bold vision to modernize Indian agriculture, aiming to empower farmers and boost productivity. His initiatives, centered on scientific innovation and farmer engagement, seek to position India as a global food leader.

### Viksit Krishi Sankalp Abhiyan

Launched on May 29, 2025, in Puri, the Viksit Krishi Sankalp Abhiyan saw 2,170 teams visit 143,000 villages, engaging 1.3 crore farmers across 20 states. Chouhan's "One Nation – One Agriculture" approach fosters collaboration between farmers and scientists. Krishi Vigyan Kendras (KVKs) will act as district hubs, with scientists spending three days weekly in fields. Chouhan himself will visit farms two days a week. The campaign, which boosted food grain production by 40% over a decade, will continue for the Rabi season.

### Six-Point Strategy

Chouhan's plan focuses on increasing production, cutting costs, ensuring fair prices, compensating disaster losses, promoting diversification, and advancing natural farming. In 2024, 109 climate-resilient seed varieties were introduced. Subsidized fertilizers, like urea at ₹266 per bag,

keep costs low. Procurement of pulses under the Price Support Scheme guarantees minimum support prices (MSP). To address price gaps, Chouhan proposed covering transport costs for perishables like onions under the Market Intervention Scheme. A "Crop War" mission targets pulses, oilseeds, and cotton to enhance output.

### Agri-Clinics and Mechanization

Nationwide agri-clinics will offer crop-specific advice on soil health and pest management, leveraging agricultural graduates. A modern Krishi Chaupal on radio and TV, starting October 2024, will enable live farmer-expert interactions. Mechanization aims to reduce costs, with ICAR-CIAE developing affordable tools for small farmers. Plans include 100 horticulture clusters and 10,000 bio-input centers to support natural farming, targeting 1 crore organic-certified farmers.

### Climate Resilience and Reforms

Chouhan emphasized climate-resilient varieties to counter challenges like unseasonal rains. A proposed law will tackle fake fertilizers, while states are urged to simplify organic certification. Collaborative meetings with state



ministers, including a pre-budget session on January 4, 2025, aim to align policies. Weekly farmer meetings address issues like stray animals and insurance gaps.

### Challenges and Vision

Despite progress, farmers in regions like Delhi's Tigipur report uneven access to schemes. Protests over MSP guarantees persist, with Chouhan promising resolutions through dialogue. His reforms align with PM Modi's Viksit Bharat goal, aiming to make India a global agricultural leader by 2047. With 8.21 lakh PMAY-G houses and ₹18,000 crore for horticulture, Chouhan's dual role as Rural Development Minister bolsters his efforts.

By fostering sustainable practices and ensuring fair returns, Chouhan's roadmap seeks to transform Indian farming into a profitable, resilient enterprise, reflecting his commitment to farmers' prosperity.

Source: Business Standard

## India Secures Fuel Future with Increased Russian, US Oil Supplies

### Introduction

**Bhopal** – As tensions between Israel and Iran threaten global oil markets, India is bolstering its energy security by increasing crude oil imports from Russia and the United States in June. Surpassing volumes from traditional Middle Eastern suppliers, this shift aims to safeguard supplies amid fears of disruptions in the Strait of Hormuz, a critical route for 40% of India's oil.

### Middle East Tensions

The Israel-Iran conflict escalated after Israel's June 13 strikes on Iranian nuclear sites, followed by U.S. military actions. Iran's threats to close the Strait of Hormuz, through which a fifth of global oil flows, have sparked concerns about price spikes, with Iranian media warning of \$400 per barrel. Kpler's Sumit Ritolia considers a full blockade unlikely, citing Iran's dependence on the strait for 96% of its oil exports and recent diplomatic

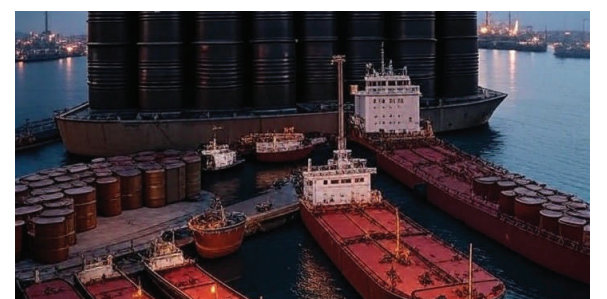
outreach to Saudi Arabia and the UAE.

### Import Trends

Kpler data shows India imported 2 to 2.2 million barrels per day (bpd) of Russian crude in June, a two-year high, up from 1.96 million bpd in May. U.S. imports surged to 439,000 bpd from 280,000 bpd, while Middle Eastern imports from Iraq, Saudi Arabia, UAE, and Kuwait dipped to 2 million bpd. Russian oil, now over 40% of India's crude mix since 2022, includes grades like Urals, shipped via routes bypassing the Strait. "June's mix reflects India's focus on resilience," Ritolia noted, highlighting refiners' flexibility.

### Outlook

Vessel activity indicates caution, with empty tankers entering the Gulf dropping from 69 to 40. India can tap alternative suppliers like Nigeria or Brazil if tensions rise, though at higher costs. Strategic reserves covering 9-10 days of imports



offer a buffer. A Strait closure remains improbable due to international deterrence and Iran's economic constraints.

### Conclusion

As the world's third-largest oil importer, consuming 5.1 million bpd, India's strategic pivot to Russian and U.S. oil ensures stability amid Middle East uncertainties. By diversifying its import portfolio, India is well-positioned to navigate potential disruptions, protecting its economy in a volatile global landscape.

Source: Economic Times

## अंबानी का साहसिक सफर: जियो लॉन्च को बताया जीवन का सबसे बड़ा जोखिम

**भोपाल:** रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने एक साक्षात्कार में अपने जीवन के सबसे बड़े जोखिम के रूप में जियो के लॉन्च को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "इंसान खाली हाथ आता है, खाली हाथ जाता है। यह समझ मेरे फैसलों का आधार रही है।" इस साक्षात्कार में उनकी बातों ने न केवल उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को उजागर किया, बल्कि व्यक्तिगत दर्शन को भी सामने लाया। यहां उनके इंटरव्यू की 10 बड़ी बातें हैं:

**1. जियो का जोखिम:** अंबानी ने जियो को बाजार में लॉन्च करना अपने करियर का सबसे बड़ा जोखिम बताया, जिसने टेलीकॉम सेक्टर को बदल दिया।

**2. नम्र शुरुआत:** उन्होंने कहा कि सफलता का श्रेय मेहनत और टीमवर्क को जाता है, न कि व्यक्तिगत गौरव को।

**3. जीवन दर्शन:** "खाली हाथ आना और जाना जीवन का सत्य है," अंबानी ने जोर देकर कहा, जो उनकी सादगी को दर्शाता है।

**4. नई तकनीक:** जियो के 4G और 5G नवाचारों को उन्होंने भविष्य की आधारशिला बताया।

**5. सस्टेनेबिलिटी:** अंबानी ने हरित ऊर्जा पर ध्यान देने की बात कही, जो रिलायंस का अगला बड़ा कदम होगा।

**6. चुनौतियां:** शुरुआती नुकसान और प्रतिस्पर्धा का सामना करने की कहानी साझा की।

**7. परिवार का योगदान:** उन्होंने अपनी पत्नी नीता और बच्चों का समर्थन सराहा।

**8. डिजिटल इंडिया:** जियो को डिजिटल क्रांति का हिस्सा बताते हुए सरकार की नीतियों की प्रशंसा की।

**9. भविष्य की योजना:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड टेक्नोलॉजी में निवेश की बात कही।



**10. प्रेरणा:** युवाओं से जोखिम लेने और नवाचार करने की अपील की।

अंबानी ने बताया कि जियो लॉन्च के समय बाजार में संदेह था, लेकिन ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण ने इसे सफल बनाया। उन्होंने कहा, "हमने सस्ती दरों और बेहतर सेवा से भरोसा जीता।" यह साझेदारी रिलायंस को भारत के डिजिटल और ऊर्जा सेक्टर में अग्रणी बनाएगी।

Source: Indian Express

## Is Donald Trump Playing the Markets? A Look at His Influence on Global Indices

Bhopal – Since Donald Trump's inauguration as the 47th U.S. President on January 20, 2025, his tariff policies and statements have triggered wild swings in Indian and global stock markets, prompting debates over whether he's a deliberate "market operator." From post-election rallies to sharp selloffs, Trump's unpredictable style has kept investors on edge, with India's Sensex and Nifty navigating a turbulent landscape.

### Post-Election Surge

Trump's victory on November 5, 2024, sparked a global "relief rally" as markets embraced his pro-business agenda. On November 6, the BSE Sensex jumped 900.50 points (1.13%) to 80,378.13, and the Nifty50 rose 270.75 points (1.12%) to 24,484.05. Investors cheered Trump's proposed corporate tax cuts (21% to 15%) and 60% tariffs on Chinese imports, positioning India as a potential alternative supplier under the "China-plus-one" strategy. Defense (Bharat Dynamics, HAL) and manufacturing sectors gained, bolstered by U.S.-India ties. Globally, the S&P 500 surged 23% in 2024, and Bitcoin hit \$100,000, fueled by Trump's crypto-friendly stance.

### Tariff Turmoil

By March 2025, Trump's "America First" tariffs began to unsettle markets. On March 3, he imposed levies on imports from China to the Falkland Islands,

weakening the Indian rupee past 87 INR/USD and sparking foreign investor selloffs worth Rs 27,889 crore in early 2025. The Sensex fell 600 points lower on February 3 amid trade fears. On April 2, Trump's "Liberation Day" tariffs, including a reported 26% tariff on India, sent markets crashing. The S&P 500 dropped 19% from its February peak by April 8, and the Sensex reportedly lost 19 lakh crores in minutes on April 7, hitting IT, pharmaceuticals, and gems / jewellery hard.

### Rebound and Relief

On April 9, Trump paused tariffs for 90 days, igniting a historic rally. The Nasdaq soared 12%, the Dow rose 7%, and the S&P 500 gained 9.5%—its best day since 2008. Indian markets likely recovered, with auto ancillaries and textiles rebounding. Trump's morning tweet urging investors to "buy," followed by the pause, fueled speculation of market influence, but analysts attribute swings to policy uncertainty. A May U.S.-China trade deal and electronics tariff exemptions further stabilized markets. Trump's assurance against firing Federal Reserve Chair Jerome Powell eased monetary policy fears.

### Ongoing Challenges

By June 23, the S&P 500 was nearly flat since Trump's inauguration, down 1.21% from February but recovering April losses. In India, lower oil prices from

Trump's fossil fuel policies aided oil marketing firms (HPCL, BPCL) and gas distributors (IGL, MGL). Defense and manufacturing remained strong, but IT and pharma faced pressure from H-1B visa curbs and a stronger dollar. Foreign outflows and a weak rupee persist, though India's domestic economy offers resilience. -0.84%

### Is Trump a "market operator"?

Many analysts believe President Trump is definitely acting like a market operator—his statements (tweets, Truth Social posts, or speeches) are treated like policy announcements, instantly moving markets. In fact:

- Democratic senators called for an investigation, noting markets reacted dramatically: "Within minutes of Mr Trump's social media post, the S&P500 shot up more than 7percent. It finished the day up 9.5percent"
- JPMorgan's "Volfefe Index" tracks bond-market volatility tied to Trump tweets, confirming his words impact investor psychology and yields

**So yes—he is being treated as a market operator.**

Dr. Irshad Ahmod  
Khan  
Sub-Editor





## India Seeks to Secure Rare Earth Magnet Supply Chain: H. D. Kumaraswamy



**Bhopal:** Union Minister for Heavy Industries and Steel, H. D. Kumaraswamy, announced on Tuesday that the Indian government is actively addressing the critical shortage of rare earth magnets, essential for electric vehicles (EVs), electronics, and defense sectors. With China's recent export restrictions disrupting global supply chains, India is exploring alternative sourcing and boosting domestic production to achieve self-reliance.

### Tackling the Supply Crisis

Kumaraswamy revealed that a decision on a subsidy scheme to support domestic rare earth magnet production is expected within 15-20 days. "We are working on it. A Hyderabad-based company, Midwest Advanced Materials, has shown interest, targeting 500 tonnes of production by December 2025, with plans to scale up to 5,000 tonnes in 2026," he told reporters. The scheme aims to reduce India's heavy reliance on Chinese imports, which account for over 90% of global rare earth magnet supply. The minister emphasized ongoing consultations with stakeholders to determine the subsidy amount.

If incentives exceed ₹1,000 crore, the consultations with stakeholders to determine the subsidy amount. If incentives exceed ₹1,000 crore, the proposal will require Union Cabinet approval, according to Kamran Rizvi, Secretary in the Heavy Industries Ministry.

### Domestic Resources and Global Partnerships

Indian Rare Earths Limited (IREL), a public sector unit under the Department of Atomic Energy, holds sufficient reserves to produce 1,500 tonnes of magnets annually. However, scaling up domestic processing is expected to take two years. To bridge the gap, India is exploring imports from countries like Japan, Vietnam, Australia, and Brazil. Kumaraswamy confirmed discussions with the Ministry of Mines to secure these alternative supply chains.

### Industry Impact and Urgency

China's export curbs, implemented since April 2025, have caused significant disruptions, particularly in India's automotive sector, which imports over 53,000 metric tonnes of rare earth magnets annually. Companies like TVS Motor and Bajaj Auto have flagged potential production delays, with stocks expected to last only until July. Kumaraswamy assured that interim measures, including importing fully assembled components, are being explored to minimize disruptions.

### Strategic Vision for Self-Reliance

The government's efforts align with the National Critical Mineral Mission, launched in April 2025, to enhance domestic capabilities in strategic materials.

Kumaraswamy's inter-ministerial meeting on June 17, co-chaired with Mines Minister G. Kishan Reddy, underscored a "whole-of-government" approach to strengthen the rare earth value chain from mining to refining.

"This inter-ministerial effort will pave the way for India's self-reliance in strategic materials crucial for EVs, electronics, defense, and other sectors," Kumaraswamy stated in a post on X. The government is also considering partnerships with Central Asian countries, particularly Kazakhstan, to secure long-term supplies.

### A Competitive Future

Officials stressed the need for globally competitive magnet production in India, noting that the price gap between rare earth oxides and magnets is only about 5%. The subsidy scheme will incentivize private players to invest in processing facilities, with Midwest's commitment marking a promising start.

As India navigates this supply crisis, Kumaraswamy's proactive measures signal a determined push toward self-reliance, ensuring the nation's EV ambitions and industrial growth remain on track.

Source: Economic Times

## SEBI Revises Stock Lot Sizes Effective June 27, 2025

The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has announced revisions to the lot sizes of derivative contracts for various stocks and indices, effective June 27, 2025. This move aligns with SEBI's guidelines to maintain contract values between ₹15 lakh and ₹20 lakh, ensuring efficient risk management and market stability. The National Stock Exchange (NSE) and Bombay Stock Exchange (BSE) have adjusted lot sizes for key indices like Nifty Bank (BANKNIFTY) and Nifty Midcap Select (MIDCPNIFTY), alongside numerous stock derivatives.

Notable changes include MIDCPNIFTY's lot size increasing from 120 to 140, AARTIIND from 1000 to 1325, and YESBANK from 26,000 to 31,100. These adjustments, detailed in a recent NSE circular, aim to curb speculative trading and protect retail investors by raising entry barriers. Existing contracts will retain current lot sizes until expiry, but new contracts from June 27, 2025, will reflect these changes. The updated lot sizes for a few stocks are displayed above. For a comprehensive list, refer to the NSE website. Existing contracts will retain current lot sizes until expiry, but new contracts from April 25, 2025, will reflect these changes. Traders must adapt strategies to account for higher capital and margin requirements, ensuring compliance to avoid position square-offs. SEBI's measures underscore its commitment to a safer, more stable derivatives market.

SYMBOL	Prior Size	Updated Size
MIDCPNIFTY	120	140
AARTIIND	1000	1325
ABCAPITAL	2700	3100
ASIANPAINT	200	250
ATGL	775	875
BRITANNIA	100	125
BSOFT	1000	1300
ADANIGREEN	375	600
BANKINDIA	4825	5200
DELHIVERY	1525	2075
ANGELONE	200	250
GRANULES	1000	1075
ASTRAL	367	425
ADANIPTS	400	475
ICICIPRULI	750	925
AMBUJACEM	900	1050
ALKEM	100	125
COLPAL	175	225
JSWENERGY	750	1000

## अडाणी समूह की नई पहल: देश की सुरक्षा और हरित ऊर्जा में क्रांति

**भोपाल:** अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने मंगलवार को कंपनी की वार्षिक बैठक में घोषणा की कि उनकी कंपनी ने अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम विकसित किया है, जो देश की सुरक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। इसके साथ ही, उन्होंने भारत में एक ऐसा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क बनाने की योजना का खुलासा किया, जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देगा।

### एंटी-ड्रोन सिस्टम: आकाश में भारत की ढाल

अडाणी ने कहा, “हमारे ड्रोन रोधी सिस्टम ने सेना और नागरिकों दोनों की सुरक्षा को मजबूत किया है। यह तकनीक आसमान में निगरानी रखने वाली आंखों और हमले को रोकने वाली तलवार के समान है।” यह सिस्टम आधुनिक ड्रोन खतरों का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक भारत को वैश्विक स्तर पर रक्षा क्षेत्र में एक मजबूत स्थिति प्रदान करेगी।

रिन्यूएबल एनर्जी पार्क: अंतरिक्ष से दिखने वाली हरित क्रांति अडाणी ने अपनी हरित ऊर्जा पहल के तहत एक विशाल रिन्यूएबल एनर्जी पार्क की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा, “हम भारत में ऐसा सौर और पवन ऊर्जा पार्क बना रहे हैं, जो इतना विशाल होगा कि इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा। यह भारत की हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।” यह परियोजना राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में फैली होगी और लाखों घरों को स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करेगी।

### भारत के लिए प्रतिबद्धता

अडाणी ने जोर देकर कहा कि उनकी कंपनी केवल लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि देश की सेवा के लिए काम करती है। “हम सुरक्षित क्षेत्रों में काम नहीं करते। हम वहां जाते हैं, जहां भारत को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत होती है,” उन्होंने कहा। इस घोषणा के बाद उद्योग जगत और निवेशकों में उत्साह देखा जा रहा है।



### भविष्य की योजनाएं

अडाणी समूह ने रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र के अलावा बुनियादी ढांचे, बंदरगाह, और लॉजिस्टिक्स में भी अपनी स्थिति मजबूत करने की योजना बनाई है। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक भारत को नवीकरणीय ऊर्जा में अग्रणी बनाना और रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। यह घोषणा भारत के औद्योगिक और रक्षा क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ने की दिशा में अडाणी समूह की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

Source: Bhaskar Business

## भारत के ईंधन भविष्य की नई दिशा: अडानी और जियो-बीपी की ऐतिहासिक पहल

**भोपाल:** एक अभूतपूर्व कदम में, अडानी टोटल गैस लिमिटेड (ATGL) और जियो-बीपी, जो रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी का संयुक्त उद्यम है, ने भारत के ईंधन खुदरा क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए रणनीतिक साझेदारी की है। तत्काल प्रभाव से, चयनित ATGL ईंधन स्टेशनों पर जियो-बीपी का उच्च प्रदर्शन वाला पेट्रोल और डीजल उपलब्ध होगा, जबकि जियो-बीपी आउटलेट्स में ATGL के सीएनजी डिस्पेंसिंग यूनिट्स शामिल होंगे, जिससे उपभोक्ताओं को एक ही छत के नीचे विविध गुणवत्ता वाले ईंधन मिलेंगे।

यह सहयोग, जो 25 जून 2025 को घोषित किया गया, सुविधा बढ़ाने और सतत ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है। ATGL के 53 भौगोलिक क्षेत्रों में 650 से अधिक सीएनजी स्टेशन हैं, जबकि जियो-बीपी के देशभर में 2,000 से अधिक ईंधन आउटलेट हैं। यह साझेदारी ATGL की संपीड़ित प्राकृतिक गैस विशेषज्ञता और जियो-बीपी की प्रीमियम तरल ईंधन शक्ति का लाभ उठाती है, जो ड्राइवरों के लिए निर्बाध अनुभव का वादा करती है। यह साझेदारी मौजूदा और भविष्य के आउटलेट्स दोनों को कवर करेगी, जो निम्न-कार्बन गतिशीलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सीएनजी जैसे स्वच्छ ईंधन विकल्पों की बढ़ती मांग को पूरा करने की उम्मीद है, जहां ऐसी बुनियादी ढांचा सीमित है। उपभोक्ताओं को यात्रा समय और लागत में कमी का लाभ मिलेगा, और यह भारत के ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता के लक्ष्यों के साथ मेल खाता है। दोनों कंपनियों के उद्योग नेताओं ने इस गठबंधन को मील का पत्थर करार दिया है, जो ईंधन खुदरा में नए मानक स्थापित करने की क्षमता रखता है। यह साझेदारी दो पारंपरिक प्रतिस्पर्धी कॉर्पोरेट दिग्गजों का दुर्लभ संगम है, जो एक सामान्य लक्ष्य की ओर काम कर रहे हैं। जैसे-जैसे रोलआउट आगे बढ़ेगा, यह उपभोक्ता पसंद को बदल सकता है और हरे ऊर्जा में और निवेश को प्रोत्साहित कर सकता है। नवीनतम अपडेट के लिए ATGL और जियो-बीपी की आधिकारिक घोषणाओं पर नजर रखें।

Source: Business Standard

INVESTMENT AVENUES®



## Looking To Invest In Real Properties & Valued Businesses In Bhopal

Discover genuine real estate and well-assessed business opportunities — safe-to-invest and growth-oriented.

### Secure Deals. Smart Investments.



EMAIL: INVESTMENTAVENUES90@GMAIL.COM  
CONTACT: +91 73899 26586



## INDOGULF CROPSCIENCES IPO लॉन्च आज: 30 जून तक निवेश का मौका, न्यूनतम ₹14,985 निवेश करें



**भोपाल:** इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) आज, 26 जून 2025 से खुल गया है, और निवेशक 30 जून 2025 तक इसमें भाग ले सकते हैं। यह कंपनी, जो फसल संरक्षण उत्पादों, पौधे के पोषक तत्वों और जैविक उत्पादों के निर्माण में लगी है, ने अपने IPO के लिए ₹105-111 प्रति शेयर की मूल्य सीमा तय की है। न्यूनतम निवेश राशि ₹14,985 निर्धारित की गई है, जो 135 शेयरों के एक लॉट के बराबर है।

### IPO का विवरण

यह IPO ₹200 करोड़ का है, जिसमें ₹160 करोड़ का नया निर्गम और 36.03 लाख शेयरों की ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण अनुमानित रूप से ₹701.5 करोड़ है। रिटेल निवेशकों के लिए 35% हिस्सा आरक्षित है, जो इसे छोटे निवेशकों के लिए आकर्षक बनाता है। कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2024 में ₹556 करोड़ रहा, जो इसके मजबूत वित्तीय आधार को दर्शाता है।

### कंपनी का व्यवसाय

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस भारत में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। यह फसल संरक्षण, पौधे के पोषक तत्वों और जैविक उत्पादों का उत्पादन करती है, जो किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हैं। कंपनी का उद्देश्य नवाचार और गुणवत्ता के माध्यम से कृषि क्षेत्र में योगदान देना है।

### निवेश पर विचार

पोस्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार, ग्रे मार्केट प्रीमियम (GMP) 10% के आसपास है, जो निवेशकों में उत्साह पैदा कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के वित्तीय

स्वास्थ्य और बाजार की स्थिति का आकलन करना जरूरी है। यह IPO छोटे और मध्यम निवेशकों के लिए एक अवसर हो सकता है, लेकिन जोखिम भी शामिल हैं।

### महत्वपूर्ण डेट

Event	Date
स्टार्ट डेट	जून 26, 2025
एन्ड डेट	जून 30, 2025
शेयर अलॉटमेंट	जुलाई 1, 2025
डीमैट में क्रेडिट / रिफंड	जुलाई 2, 2025
लिस्टिंग डेट	जुलाई 3, 2025

### निष्कर्ष

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस का IPO 26 जून से शुरू होकर 30 जून तक खुला रहेगा। न्यूनतम ₹14,985 के साथ निवेश करने का यह मौका कृषि क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। निवेशक सावधानीपूर्वक निर्णय लें और बाजार के रुझानों पर नजर रखें।

## BHEL को अडाणी पावर से ₹6,500 करोड़ का आर्डर: छह थर्मल यूनिट्स बनाएगी



भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) को अडाणी पावर लिमिटेड से ₹6,500 करोड़ का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त हुआ है। इस अनुबंध के तहत, BHEL छह थर्मल पावर यूनिट्स का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति और कमीशनिंग करेगा, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 800 मेगावाट होगी। यह परियोजना भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यह ऑर्डर भारत की ऊर्जा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये उच्च-क्षमता वाली यूनिट्स अडाणी पावर की उत्पादन क्षमता को बढ़ाएंगी, जिससे विश्वसनीय और कुशल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। BHEL की पावर उपकरण निर्माण में विशेषज्ञता और बड़े पैमाने की परियोजनाओं को निष्पादित करने का मजबूत रिकॉर्ड इस सौदे को हासिल करने में महत्वपूर्ण रहा। कंपनी इन यूनिट्स को कड़े पर्यावरणीय और दक्षता मानकों के अनुरूप बनाने के लिए अपनी उन्नत तकनीक का उपयोग करेगी।

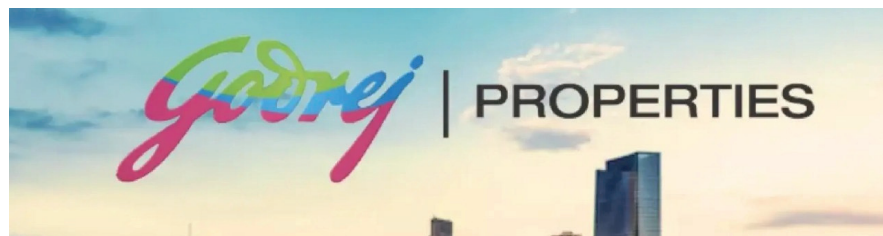
यह ठेका BHEL की भारत के ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और अडाणी पावर के साथ उसकी साझेदारी को और मजबूत करता है। परियोजना से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। BHEL का लक्ष्य इस परियोजना को समय पर और कुशलतापूर्वक पूरा करना है, ताकि भारत की ऊर्जा जरूरतों को स्थायी रूप से पूरा किया जा सके।

इस परियोजना का सफल निष्पादन BHEL की पावर उपकरण उद्योग में अग्रणी स्थिति को और सुदृढ़ करेगा। यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी योगदान देगा।

यह उपलब्धि BHEL के तकनीकी कौशल और विश्वसनीयता का प्रमाण है।

Source: Mint

## Godrej Properties Acquires 40-Acre Land in Panipat for Rs 600 Crore



Mumbai-based Godrej Properties Ltd, a leading real estate developer, has acquired a 40-acre land in Panipat, Haryana, for approximately Rs 600 crore. The strategic purchase aligns with the company's aggressive expansion plans to capitalize on the rising demand for residential properties in emerging markets.

The land, located in a rapidly developing area of Panipat, is set to be developed into a premium residential project, primarily featuring plotted residential units. The project is expected to offer a developable potential of around 2.5 million square feet, with an estimated revenue potential of Rs 1,200 crore. The site benefits from excellent connectivity to key infrastructure, including highways and commercial hubs, making it an attractive location for homebuyers.

Gaurav Pandey, MD and CEO of Godrej Properties, stated, "This acquisition strengthens our presence in Haryana's high-growth real estate market. We aim to create a sustainable community that delivers long-term value." The company has been actively acquiring land across India, with recent deals in Pune, Bengaluru, and Indore, reflecting its focus on key urban clusters. This move underscores Godrej Properties' commitment to meeting the growing housing demand in tier-II cities.

Source: Money Control

## WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj

Technical Head

anil.stockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1

- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	25638	26748	26201	25919	25372	25090	24543	24261
BANK NIFTY	57444	59708	58591	58017	56900	56326	55209	54635
FINNIFTY	27344	28651	28009	27676	27034	26701	26059	25726
MIDCAP	13340	14160	13814	13577	13231	12994	12648	12411
ACC	1920	2086	2010	1965	1889	1844	1768	1723
AXISBANK	1224	1286	1266	1245	1225	1204	1184	1163
ABCAPITAL	269	297	287	278	268	259	249	240
BHARTIARTL	2020	2175	2107	2063	1995	1951	1883	1839
BHEL	263	291	279	271	259	251	239	231
BIOCON	354	373	365	359	351	345	337	331
CDSL	1765	1951	1874	1819	1742	1687	1610	1555
DATAPATTERN	2840	3304	3187	3013	2896	2722	2605	2431
ESCORTS	3344	3617	3512	3428	3323	3239	3134	3050
EICHERMOTOR	5630	5920	5802	5716	5598	5512	5394	5308
FEDERAL BANK	209	219	215	212	208	205	201	198
GRINFRAPOJECT	1331	1590	1497	1414	1321	1238	1145	1062
HDFCBANK	2012	2130	2078	2045	1993	1960	1908	1875
HCLTECH	1729	1820	1786	1757	1723	1694	1660	1631
HINDUNILVR	2308	2373	2341	2324	2292	2275	2243	2226
HAL	4890	5313	5186	5038	4911	4763	4638	4488
HYUNDAI	2182	2502	2358	2270	2126	2038	1894	1806
IOC	147	163	155	151	143	139	131	127
ICICIBANK	1458	1532	1499	1478	1445	1424	1391	1370
INFY	1612	1688	1658	1635	1605	1582	1552	1529
ITC	420	432	426	423	417	414	408	405
KOTAKBNK	2201	2322	2278	2239	2195	2156	2112	2073
LICHOUSING	612	678	652	632	606	586	560	540
LT	3678	3900	3815	3746	3661	3592	3507	3438
LUPIN	1949	2024	1994	1971	1940	1918	1887	1865
MARUTI	12668	13075	12964	12816	12705	12557	12446	12298
M&M	3218	3380	3310	3264	3194	3148	3078	3032
MGL	1511	1718	1621	1566	1469	1414	1317	1262
MAZGAONDOC	3187	3604	3484	3335	3215	3066	2946	2797
PFC	421	455	441	431	417	407	393	383
RECLTD	402	432	421	411	400	390	379	369
RELIANCE	1514	1623	1572	1543	1492	1463	1412	1383
SBIN	805	833	821	813	801	793	781	773
SUNPHARMA	1694	1758	1726	1710	1678	1662	1630	1614
SHRIRAMFINANCE	699	780	744	721	684	662	625	603
TITAN	3669	3992	3849	3759	3616	3526	3383	3293
TCS	3445	3578	3521	3483	3426	3388	3331	3293
TATAMOTORS	688	722	705	697	681	672	656	647
UPL	646	682	668	657	643	632	618	607
VALIENT	425	484	464	444	424	404	384	364
WIPRO	265	279	275	270	266	261	257	252

अडानीकॉनेक्स ने बुनियादी ढांचा विकास को बढ़ावा देने के लिए 86 करोड़ रुपये में ग्रंथिक रियल्टर्स का अधिग्रहण किया



अडानी एंटरप्राइजेज की संयुक्त उद्यम कंपनी, अडानीकॉनेक्स प्राइवेट लिमिटेड ने 26 जून, 2025 को 86 करोड़ रुपये की नकद डील में ग्रंथिक रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड में 100% हिस्सेदारी हासिल की। शुक्रवार को घोषित इस अधिग्रहण का उद्देश्य ग्रंथिक की भूमि संपत्तियों का उपयोग कर अडानी के बुनियादी ढांचा विकास योजनाओं को मजबूत करना है। ग्रंथिक रियल्टर्स, जो पहले विंडसन प्रोजेक्ट्स एलएलपी और इसके नामित व्यक्तियों के स्वामित्व में थी, ने अभी तक व्यावसायिक संचालन शुरू नहीं किया है, लेकिन इसमें बुनियादी ढांचा विकास की काफी संभावनाएं हैं। यह कदम अडानी समूह की धारावी स्लम पुनर्विकास और मुंबई में मोतीलाल नगर जैसे प्रमुख परियोजनाओं के बाद रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में विस्तार की रणनीति के अनुरूप है। यह लेनदेन, जो अडानीकॉनेक्स के माध्यम से हुआ, संबंधित पक्षों का सौदा नहीं है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। बाजार विश्लेषकों ने इसे सकारात्मक माना है, और घोषणा के बाद अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर एनएसई पर 2.33% बढ़कर 2586.20 रुपये पर पहुंच गया। यह अधिग्रहण भारत के बुनियादी ढांचा परिदृश्य को बदलने और शहरी विकास व आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने की अडानी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्रोत: एक्स पर पोस्ट, 27 जून, 2025

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in